

लौकी कुकरेड खाओ



Bangani

लौकी कुकरेइ खाओ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



एक गाउँ दि लौकी नौउँ रौ एक लौड़कौ
आपड़ै आमा पापा रै साथै रौयै थौ। औज़ि
तेसरै पौरिबार वाळै तेसकौइ बौरी खुश थै
किलाकि सेउ पौड़ाइ, औज़ि खेत दि बौरी
तेज़ थौ।



लौकी हमेशाइ खुश रौयै थौ, तेसरै
पौरिबार वाळै औज़ि गाउँ रै लोग बी
तेसरी काफी तारीफ कौरैण थै। औज़ि
लोग तेसखि एशौ बी बोलैण थै, कि
एऊ पौड़ी लिखियौ कुछ बौड़ौ औफसर
बौणै लौ।



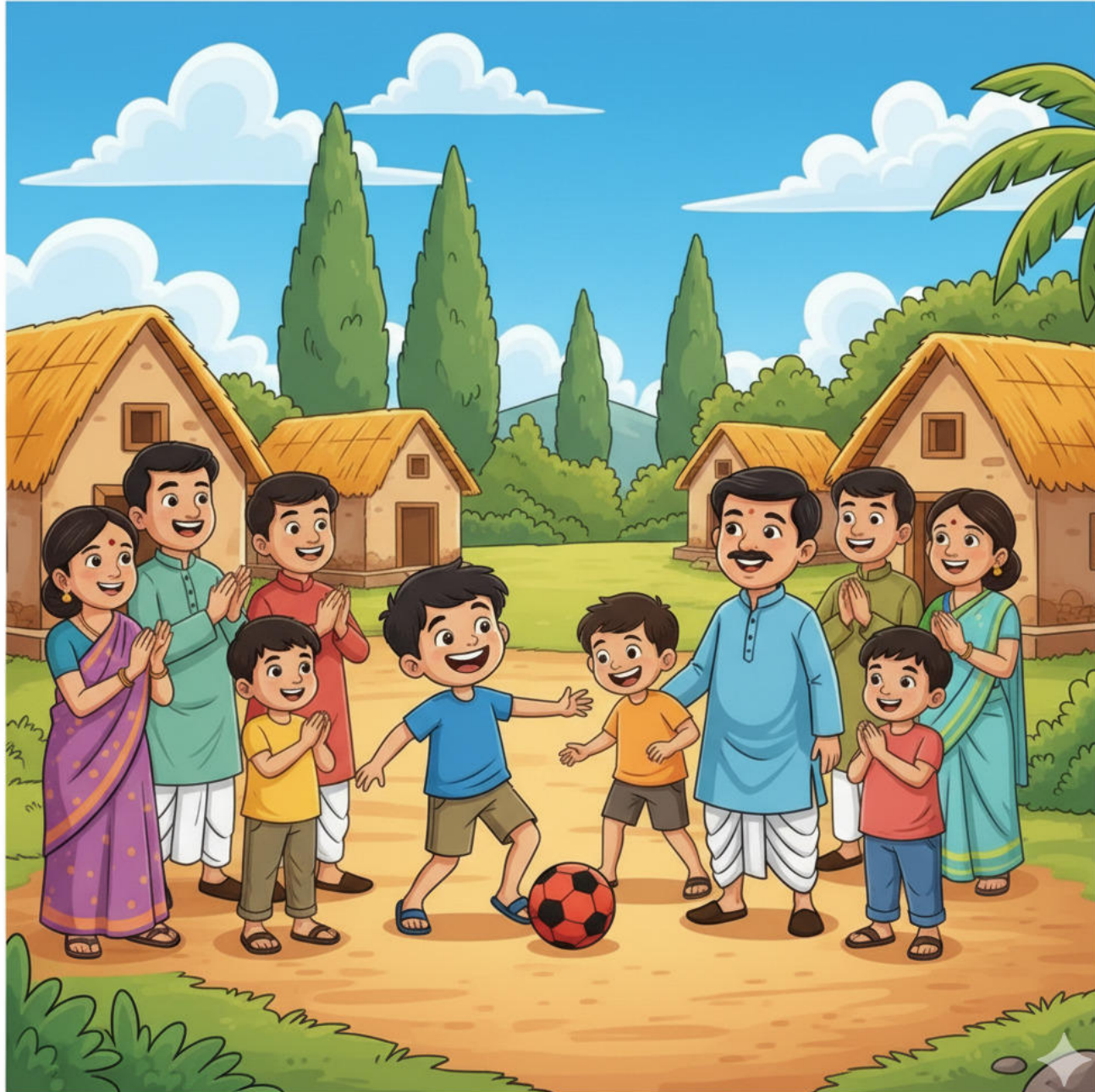
लौकी पौड़ाइ रै साथै आपड़े पौरिबार री
काम कौरणे दि मदद कौरै थौ। सेउ
डोखरौउं दि बी काम कौरै थौ। औज़ि
तेसरै पौरिबार वाळै तेसदि बौरी बोरेश
कौरण थै।



एक दूस लौकी आपडै दोस्तु रै साथै
खेलदै रौ थौ लागी। तैबै तेत्कै एक
कुकूर बुखियौ लौकी रै पौछौणिकै दोड़ौ।
औज़ि लौकी रौ बांगणौ एक पौशै कौइ
खाऔ।



लौकी लेरी लेरियौ आपडै गौरै बागौ ।
तेसरौ पौरिबार वाळौउं लौकी औस्पताल
खी गिणी । औज़ि तेत्कै डौक्टरेइ तेसकै
तेत्राइ एक इंजेक्शन लाओ ।



लौकी तेतबासियै ठीक औइयौ खेलदै
लागौ। औज़ि पौरिबारेइ सुँचौ की लौकी
ऐबै ठीक उई गोऔ। औज़ि गाउँ रै लोगु
बी देखौ कि लौकी ठीक उई गोऔ।



एक दूस लौकी कुदरौतु बीमार उवौ ।
औज़ि तेसरै पौरिबार वाळौउं बी देखौ कि
तेस बौरी तेज़ बुखार रौ आन्दै लागी ।
लौकी लौलियान्दै लागौ । औज़ि ज़ोरै ज़ोरै
लरदै लागौ ।



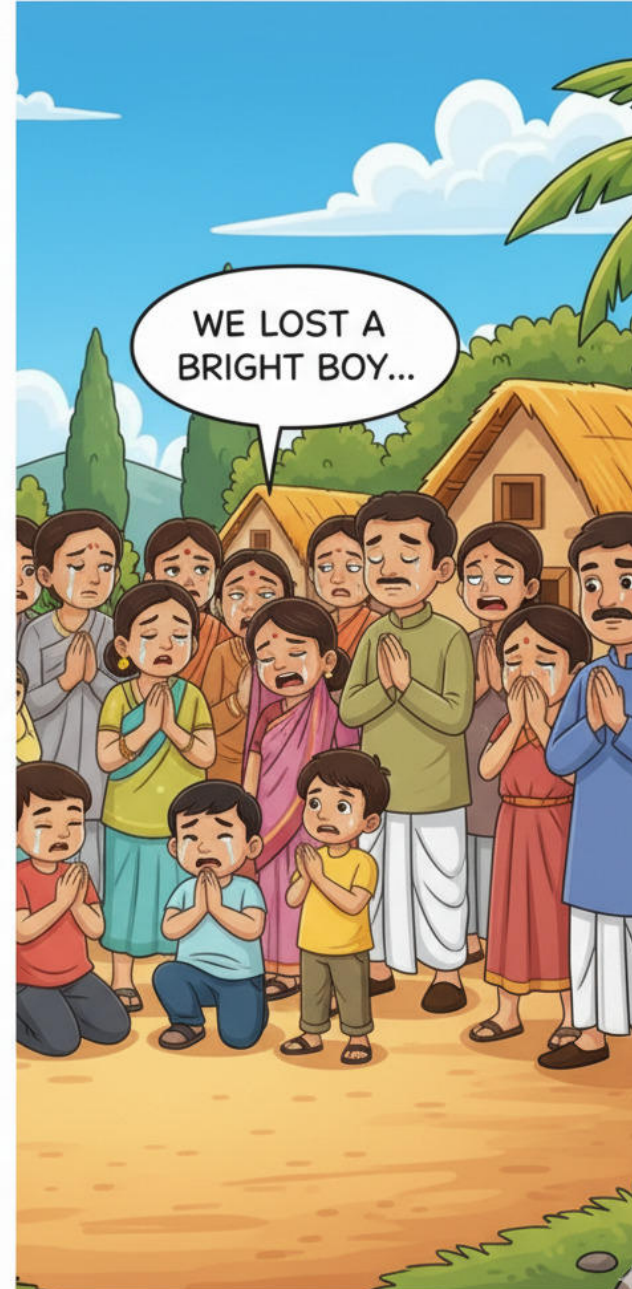
तेरसै पौरिबार वाळौउं सेउ औस्पताल खी
गिणौ। तेत्कै डौक्टरेइ तिउंवारी बोलौ कि
एस केथिकै शैर रै बौड़ौ औस्पताल दि
गिणौ। एत्कै एसरौ इलाज़ ना औई
सौकदौ। तैबै तिउं सेउ शैर रै बौड़ौ
औस्पताल खी गिणौ।



लौकी औस्पताल रै बैड माइं तौड़फुन्दै रै
थौ लागी। औज़ि तेसरै पौरिबार वाळै बौरी
पौरेशान उवै। डौक्टरेइ बोलौ कि एसरै
औगौणिकै पुरै इंजेक्शन ना लागै। एज़ि
बौज़ै कौइ एसरी तौबियेत खौराब उई।



डौक्टरेड बी तेस बौचाणे री बौरी कौशिश
की। औज़ि तेसरै पौरिबार वाळै बी
लगातार पौराथना रौयै थै कौरदै लागी।
पर तेसरी हालत औज़ि बी ज़ादाइ खौराब
रौइ थी औन्दि लागी।



दुजेइ दूसै लौकी कुकरे रै खाणे री बौजै
कौइ पोरु मौरै। तेसरै पौरिबार, औज़ि
गाउँ वालै बौरी दुखी थै। औज़ि सारै ज़ौणै
तेसखि लेरदै रौयै थै लागी।



औज़ि पौरिवार वाळौउं कै बी आपड़ी
गौलती रौ ऐसास उवौ। औज़ि आपड़ी
मुखता री बौज़ै कौइ तिउं रौ बेटा तिउंरै
बेचेदि ना रौ। तिउंकै एसकौइ सबक
मिलौ कि आमुं केत्राइ बी एशेशौ गौटना
दि डिलौ ना चाइं रौणै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

